FAME इंडिया चरण- II योजना

प्रलिम्सि के लयि:

संसदीय समति, फेम इंडिया योजना चरण- II, इलेक्ट्रकि मोबलिटी, नेशनल इलेक्ट्रकि मोबलिटी मशिन योजना, वाहन स्क्रैपगि नीत।

मेन्स के लयि:

सरकारी नीतयाँ, इलेक्ट्रकि वाहन: लाभ, चुनौतयाँ

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

उद्योग पर संसदीय स्थायी समति ने हाल ही में **भारत में हाइब्रडि और इलेक्ट्रकि वाहनों को तेज़ी से अपनाने तथा वनिर्िमाण (FAME इंडिया) योजना चरण- II** के वस्तिार एवं संवर्द्धन के संबंध में महत्त्वपूर्ण सफिारशिं दी हैं।

- समति ने वद्युत गतशीलता **में परवर्तन** की गत को सुवधिाजनक बनाने के लयि फेम इंडिया चरण-II योजना की समय सीमा को कम-से-कम तीन वर्ष और बढ़ाने का सुझाव दयिा है।
- समति ने फेम इंडिया फेज-2 योजना की समय सीमा को कम-से-कम तीन साल और बढ़ाने का सुझाव दयिा है ताक इलेक्ट्रकि मोबलिटी में बदलाव की गत को सुवधिाजनक बनाया जा सके।
- 10,000 करोड़ रुपए के बजट आवंटन के साथ इसकी वर्तमान समय सीमा 31 मार्च, 2024 है।

सुधार के लयि समति की सफिारशिं क्या हैं?

- **इलेक्ट्रकि दोपहयिा वाहनों पर सब्सडिी की बहाली:**
  - समति ने **इलेक्ट्रकि दोपहयिा वाहनों पर सब्सडिी बहाल करने का सुझाव** दयिा है, जसि जून 2023 में कम कर दयिा गया था।
    - सरकार ने 1 जून 2023 के बाद इलेक्ट्रकि दोपहयिा वाहनों के लयि FAME-II सब्सडिी कम कर दी थी।
      - पूर्व-कारखाना मूल्य पर प्रारंभकि 40% प्रोत्साहन को घटाकर 15% कर दयिा गया। सब्सडिी में कमी से इलेक्ट्रकि दोपहयिा वाहनों की बक्रिी पर नकारात्मक असर पड़ा। सब्सडिी पुनः आवंटन के लयि बजट की कमी को एक कारण बताया गया है।
  - यह इलेक्ट्रकि वाहन प्रवेश की गत को बनाए रखने के लयि यद आवश्यक हो, बढ़े हुए बजट आवंटन का अनुमान लगाने की भी सफिारशि करता है।
- **नजी इलेक्ट्रकि चार पहयिा वाहनों का समावेश:**
  - मंत्रालय को चार पहयिा वाहनों की श्रेणी में समर्थति इलेक्ट्रकि वाहनों की संख्या में वृद्ध करनी चाहयि और वाहन की लागत तथा बैटरी क्षमता के आधार पर एक सीमा के साथ FAME-II योजना में **नजी इलेक्ट्रकि चार पहयिा वाहनों** को शामलि करना चाहयि।
- **सहायक सरकारी ढाँचे:**
  - यह समति भारत को वैश्वकि EV केंद्र बनाने के लयि राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सहायक, पारदर्शी तथा सुसंगत सरकारी ढाँचे की आवश्यकता पर बल देती है।
    - यह बैटरी, **सेल और EV ऑटो घटकों के लयि समर्पति वनिर्िमाण केंद्र तथा औद्योगकि पार्क स्थापति करने पर ध्यान केंद्रति** करने की भी सफिारशि करता है।
- **BHEL और चार्जगि स्टेशनों के लयि वत्ति पोषण:**
  - EV गतशीलता को लोकप्रयि बनाने की सुवधिा के लयि **भारत हेवी इलेक्ट्रकिल्स लमिटिड (BHEL)** को अधकि धनराश आवंटति की जानी चाहयि।
    - BHEL ने EV चार्जगि स्टेशनों के लयि इंजीनयिरगि, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (EPC) समाधान प्रदान कयि। इनमें सौर ऊर्जा आधारति चार्जगि स्टेशन और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालयाँ शामलि हैं।
  - इसके अतरिक्ति, सार्वजनकि क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी संस्थानों को अपने परसिरों में चार्जगि स्टेशन स्थापति करने में भाग लेना

चाहिये।

- **चार्जिंग स्टेशन स्थापना को प्रोत्साहित करना:**
    - FAME-II को चार्जिंग स्टेशनों में व्यक्तिगत निवेशकों को प्रोत्साहित करना चाहिये। **महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को चार्जिंग स्टेशन खोलने** तथा संचालित करने में सरकार द्वारा अपने फंड से सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करने में सहायता की जानी चाहिये।

फेम इंडिया योजना क्या है?

- **पृष्ठभूमि:**
    - **फेम इंडिया नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन (NEMM)** का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
    - योजना का मुख्य उद्देश्य **खरीद पर अग्रिम प्रोत्साहन देकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों** को अपनाने को प्रोत्साहित करना है।
    - इस योजना में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तकनीक, जैसे- **माइल्ड हाइब्रिड, स्ट्रांग हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड तथा बैटरी इलेक्ट्रिक** वाहन शामिल हैं।
- **पहला चरण:**
    - यह वर्ष 2015 में शुरू हुआ और 895 करोड़ रुपए की लागत से 31 मार्च, 2019 को पूरा हुआ।
    - FAME योजना के पहले चरण में चार फोकस क्षेत्र थे अर्थात् प्रौद्योगिकी विकास, मांग निर्माण, पायलट परियोजना और चार्जिंग बुनियादी ढाँचा।
    - **उपलब्धियाँ:**
        - योजना के **पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख xEV को कुल मांग प्रोत्साहन** के साथ समर्थन दिया गया था। इसके अलावा इस योजना के तहत विभिन्न शहरों/राज्यों के लिये 465 बसें स्वीकृत की गईं।
- **फेम इंडिया का दूसरा चरण**
    - **भारी उद्योग मंत्रालय ने** 1 अप्रैल, 2019 से पाँच वर्ष के लिये इस योजना को लागू किया, जिसका कुल बजट 10,000 करोड़ रुपए है।
    - यह चरण मुख्य रूप से सार्वजनिक और साझा परिवहन के **विद्युतीकरण का समर्थन** करने पर केंद्रित है तथा इसका उद्देश्य **e-बसों, e-3 व्हीलर, e-4 व्हीलर पैसेंजरकारों एवं e-2 व्हीलर को मांग प्रोत्साहन के माध्यम से समर्थन** देना है।
        - इसके अलावा योजना के तहत चार्जिंग बुनियादी ढाँचे के निर्माण का भी समर्थन किया जाता है।

उपलब्धियाँ:

Category	Number of Vehicles			Amount (in Rs. Crores)		
	Revised Targets	Achievement	%	Revised Targets	Achievement	%
e-2W	9,68,000	6,89,016	71%	3,500	3,160	90%
e-3W	1,26,000	80,341	64%	700	456	65%
e-4W	11,000	8,115	74%	250	189	76%
e-Buses	7,090	2,838 – supplied 6,862 - committed	97%	4,307	1,181 – paid 3,151– committed	73%
Total	**11,12,090**	**7,80,310**	**70%**	**8,757**	**4,986**	**57%**

//

EV अंगीकरण को प्रोत्साहन देने के लिये अन्य सरकारी पहल क्या हैं?

- राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (NEMMP)।
- परिवर्तनकारी गतिशीलता और बैटरी भंडारण पर राष्ट्रीय मिशन।
- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना।
- वाहन स्क्रैपिंग नीति।
- गो इलेक्ट्रिक अभियान।
- EV30@30 अभियान।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????:

प्रश्न1: दक्ष और कफियाती (ऐफोर्डेबल) शहरी सार्वजनकि परविहन कसि प्रकार भारत के तीव्र आर्थकि वकिास की कुंजी है? (2019)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fame-india-phase-ii-scheme